

साहित्यिक शब्दकोश

(Dictionary of Literary Terms)

Erudition [ए'र्यूडीशन] : पांडित्य। साहित्य, इतिहास या आलोचना में चरण का प्रयोग किया जाता है, तो इस प्रयोग का आधार समतुल्यता ही होता। एक दीर्घ अक्षर को दो लघु अक्षरों के समान मानकर ही ऐसा किया जाता है।

Equivocation [इक्विवोकेशन] : अनेकार्थकता, शब्दछल। तर्कशास्त्र में एक ही शब्द का कई अभिप्रायों में प्रयोग। प्रायः एक ही शब्द के विभिन्न प्रयोग होते हैं और प्रयोग की व्याख्याएँ विभिन्न प्रकार से की जा सकती हैं।

Era [इरा, ए'रा] : सन्, संवत् काल की गणना की सरणि आरम्भ किसी व्यक्ति या घटना से होता है, जैसे विक्रम संवत् या शक संवत्। कभी-कभी इसका प्रयोग काल के अर्थ में भी किया जाता है।

Error, Tragic [ए'रर, ट्रैजिक] : त्रासदीय भूल। **Flaw, Tragic** [ए'रर, ट्रैजिक] : त्रासदीय दोष।

Epoch [इपाक] : किसी भी ऐतिहासिक युग' शब्द का प्रयोग विनिश्चित काल-खण्ड के लिए होता है जो किसी-किसी युगों से मौलिक अन्तरों के द्वारा विन्दी-साहित्य के युग से युग से युग से युग' मूलतः भिन्न होने के कारण है। युग' युग' से अभिहित हुआ है।

(2) कलाकृति द्वारा सम्प्रेषित अनुभूति एवं मनोदशा के द्वारा सामाजिक के मनो-प्राप्त करते हैं और उसे का उचित समझना।

Equivalence : समतुल्यता। मात्रा-साम्य को समतुल्यता कहते हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी छन्द में एक चरण के लिए किसी अन्य छन्द के

(2) किसी दुष्ट पात्र का 'विपत्ति' से 'सम्पत्ति' में उत्कर्ष। यह परिस्थिति तो त्रासदी की आत्मा के सर्वथा प्रतिकूल है। इससे न नैतिक भावना का परितोष होता है, न ही करुणा और त्रास की उद्बुद्धि।

(3) किसी अत्यन्त खलपात्र का अपकर्ष दिखाना भी संगत नहीं। इस प्रकार के अर्थानक से नैतिक भावना का परितोष नहीं होता है।

Equivalence : समतुल्यता। मात्रा-साम्य को समतुल्यता कहते हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी छन्द में एक चरण के लिए किसी अन्य छन्द के

東京外国語大学図書館



0000643757

प्रो. महेन्द्र चतुर्वेदी
प्रो. तारक नाथ बाली

साहित्यिक पारिभाषिक शब्द कोश

(Dictionary of Literary Terms)

प्रो. महेन्द्र चतुर्वेदी : प्रो. तारक नाथ बाली

東京外国語大学
図書館蔵書

643757

平成 20 年度

बुक्स एन' बुक्स

दिल्ली-110009